



संदेश

पासपोर्ट सेवा दिवस 2022 के अवसर पर भारत और विदेशों में पासपोर्ट जारी करने वाले हमारे सभी प्राधिकारियों के साथ जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है। विदेश मंत्रालय, केंद्रीय पासपोर्ट संगठन के साथ, इस अवसर को उत्सव की तरह मना रहा है और भारत के नागरिकों को समय पर, विश्वसनीय, सुलभ, पारदर्शी और कुशल तरीके से पासपोर्ट और पासपोर्ट संबंधी सेवाएं प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहरा रहा है।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि कोविड-19 महामारी के कठिन समय में भी पासपोर्ट सेवाओं को पूरे जोश-खरोश के साथ उपलब्ध कराया गया था और महामारी के ढाई वर्षों के कारण पासपोर्ट सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मंत्रालय ने विशेष प्रयास किए और 9.0 लाख के प्रभावशाली मासिक औसत के साथ तेजी से इस कार्य को संपन्न किया गया, जिसमें पिछले माह 4.50 लाख अतिरिक्त आवेदनों का निपटान शामिल है, यह अपने आप में एक रिकॉर्ड स्थापित हुआ है।

24 जून को पासपोर्ट सेवा दिवस मनाते हुए इस वर्ष भी हम, नागरिकों को बेहतर सुविधाओं का अनुभव प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखे हुए हैं। पीछे मुड़कर देखें, तो मुझे अपार खुशी है कि हम नागरिकों के लिए पासपोर्ट नियमों और प्रक्रियाओं को सरल बनाने में अत्यधिक सफल रहे हैं। पासपोर्ट सुपुर्दगी प्रणाली को और अधिक सुगम बनाने के लिए, मंत्रालय पुलिस सत्यापन में लगने वाले समय को कम करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की पुलिस के साथ लगातार काम कर रहा है: एमपासपोर्ट पुलिस ऐप अब 22 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 8275 पुलिस स्टेशनों में उपयोग में लिया जाता है। कागज रहित दस्तावेजीकरण प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए पासपोर्ट सेवा प्रणाली को डिजिटल सिस्टम के साथ भी एकीकृत किया गया है। सुविधाओं को हमारे नागरिकों के घर तक पहुँचाने के लिए मंत्रालय ने डाक विभाग के सहयोग से 428 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीओपीएसके) की शुरुआत की है। मंत्रालय ने विदेश स्थित हमारे 178 राजदूतावासों और कोंसलावासों में पासपोर्ट जारी करने की प्रणाली को सफलतापूर्वक एकीकृत किया है। इससे हमें एक केंद्रीकृत और सुरक्षित एप्लिकेशन के माध्यम से प्रवासी भारतीयों को पेशेवर तरीके से पासपोर्ट संबंधी सेवाएं प्रदान करने में आसानी हुई है।

पासपोर्ट सेवाओं की गुणवत्ता में लगातार सुधार की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम (पीएसपी) पीएसपी वी 1.0 के एक उन्नत संस्करण पीएसपी वी 2.0 शुरू किया जाएगा, जो सभी हितधारकों के बीच एक डिजिटल तंत्र को सुनिश्चित करेगा और नागरिकों को उन्नत पासपोर्ट सेवाएं प्रदान करेगा। यह मानकीकृत और उदार प्रक्रियाओं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, चैट-बॉट, बिग-डेटा के उपयोग, उन्नत विश्लेषण आदि जैसी नवीनतम और उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के उपयोग के माध्यम से संपूर्ण सुचारू शासन को सुनिश्चित करेगा। मंत्रालय भारतीय नागरिकों के लिए ई-पासपोर्ट कार्यक्रम शुरू करने पर भी काम कर रहा है जो अंतरराष्ट्रीय यात्रा को आसान बनाएगा और यह व्यक्ति की पहचान के दुरुपयोग को रोकेगा और इससे नागरिकों का डेटा अधिक सुरक्षित रहेगा।

अंत में, मैं 'पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम' में निहित 'सेवा' शब्द पर बल देना चाहूंगा, जो संक्षेप में यह बताता है कि आज हम क्या कर रहे हैं और कल हम और कहाँ जाने का इरादा रखते हैं।


(डॉ. एस. जयशंकर)